A–1039

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BASL(N)-121

वैदिक कर्मकाण्ड एवं अनुष्ठान

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संस्कारों का उद्देश्य समाजशास्त्रियों के मतानुसार लिखिए।
2. कर्मकाण्ड के वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डालिए।
3. संस्कार किसे कहते हैं तथा कितने संस्कार होते हैं संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

4. कुण्ड निर्माण हेतु भूमि शोधन विचार का विवेचन किजिये।

अथवा

षोडशोपचार पूजन विधि से आप क्या समझते है, उसका वर्णन करें।

5. नामकरण संस्कार के विधि एवं महत्त्व के बारे में विस्तार से लिखिये।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नित्यकर्म क्या है, ये कितने प्रकार के होते हैं विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
2. कर्णवेध संस्कार का वर्णन किजिये।
3. विद्यारंभ संस्कार की विधि एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
4. चूड़ाकर्म संस्कार के बारे में विस्तार से लिखिये।
5. जातकर्म संस्कार की विधि एवं महत्त्व लिखिये।
6. पुंसवन एवं सीमन्तोन्नयन संस्कार के बारे में संक्षिप्त में लिखिये।
7. पूर्णाहुत का महत्व लिखिए।
8. अन्त्येष्टि संस्कार का वर्णन कीजिये।

****